भजन

तर्ज– जबसे देखा तुमको यारा

जबसे अपनी निसवत जानी,
दिल ये बोला,रूह ये मानी
पिया मेरे हैं,धनी मेरे हैं
मैं हूँ उनकी सुहागिन

1– दुनियां में कौन अपना,ये हम नहीं जानें
धनी मेरे मैं उनकी,बस ये ही हम जानें
हम तो चलें पिया राह पे तेरी,ये ही है बस चाह हमारी
दुनियां छूटे,तुम न छूटो,चाहत ये ही हमारी

2– निसवत से पिया आये,ये संसार क्या जाने
खातिर रूहों की आए,ये भरतार ही जानें
मुक्ति देनी है जीवों को,सुध ईश्वरी को धाम की देनी
वाणी ल्याए खिलवत ल्याए,निसवत अपनी बताई

3– तुम्हीं ने दिखाई निसवत खिलवत,
तुम्हीं ने दिखाई अखंड वाहेदत
खेल भी तुम्हीं देखाईया,दई फरामोसी भी तुम
तुम्हीं जगावत जुगतें,कोई नहीं तुम बिन खसम
पिया मेरे हैं,धनी मेरे हैं,मैं हूँ उनकी सुहागिन